कृषि.सलाहकार सेवा

कोई भी कृषि कार्य करने से पहले कृपया भारत सरकार/ओडिशा सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के कोविड-19 दिशानिर्देशों का पालन करें।

सितंबर 2021 के द्वितीय पखवाड़े की रणनीतियां

- उथली निचलीभूमि/मध्यम भूमि में रोपित चावल में, उच्च उपज देने वाली किस्मों के लिए 35 किलोग्राम यूरिया/एकड़ और संकर के लिए 42 किलोग्राम यूरिया/एकड़ दौजियां निकलने के चरण पर (रोपाई करने के 20-25 दिन बाद) प्रयोग करें। सामान्य रोपित चावल में, बाली निकलने की अवस्था (रोपाई करने के 50-55 दिन बाद) पर 17.5 किग्रा यूरिया प्रति एकड़ उर्वरक की दूसरी शीर्ष ड्रेसिंग करें जबकि रेतीली मिट्टी में 17.5 किग्रा यूरिया + 13 किग्रा पोटाश डालें।
- पत्ता मोड़क को नियंत्रित करने के लिए जब भी दो मुड़े हुए पत्ते/पूंजा दिखाई दें, तो क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी/60 मिली/एकड़ या फ्लूबेनडियामाइड 20डब्ल्यूजी 50 ग्राम/एकड़ या क्वीनालफास 25ईसी 64 मिली/एकड़ का छिड़काव करें। छिड़काव के लिए प्रति एकड़ 200 लीटर पानी का प्रयोग करें।
- इल्लियों/केस वर्म/हिस्पा के प्रकोप की स्थिति में क्लोरपाइरीफॉस 20ईसी 400 मिली/एकड़ दर पर या ट्रायजोफोस 40% ईसी 500 मिली/एकड़ दर पर का छिड़काव करें। छिड़काव के लिए प्रति एकड़ 200 लीटर पानी का प्रयोग करें।
- **गॉल मिज संक्रमण होने पर कार्बोसल्फान** 25% **ईसी** 400 **मिली/एकड़** दर पर **छिड़काव करें या करटाप हाइड्रोक्लोराइड** 4**जी** 10 **किग्रा/एकड़** दर पर **या कार्बोफुरन** 3**जी** 10 **किग्रा/एकड़** दर पर प्रयोग करें**।**
- **यदि भूरा पौध माहू** (**बीपीएच**) **की संख्या लागत-लाभ की सीमा** (5-10 **कीट/पूंजा**) **से अधिक है**, **तो वैकल्पिक गीला और सुखाने की तकनीक** (**पानी लंबे समय तक खेत में खड़ा नहीं होना चाहिए**) **द्वारा धान के खेत की सूक्ष्म जलवायु को बदलने की सलाह दी जाती है। यदि समस्या फिर भी बनी रहती है**, **तो ट्राइफ्लुमेज़ोपाइरिम** 10% **एससी** 94 **मिली/एकड़ दर पर या पाइमेट्रोज़ीन** 50% **डब्ल्यूजी** 120 **ग्राम/एकड़ दर पर या डाइनोटफ्यूरन** 20% **एसजी** 80 **ग्राम/एकड़ दर पर या इमिडाक्लोप्रिड** 17.8% **एसएल** 50 **मिली/एकड़ दर पर या एसेफेट** 75% **एसपी** 400 **ग्राम/एकड़ दर पर छिड़काव करें। भूरा पौध माहू के लिए अनुशंसित कीटनाशकों का प्रयोग निर्धारित मात्रा में ही करें। भूरा पौध माहू के संक्रमण के दौरान नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों के प्रयोग से बचें।**
- यदि 1-2 **दौजी में** आच्छद अंगमारी प्रकोप देखा जाता है, प्रोपिकोनाज़ोल 75% 200 मिली/एकड़ दर पर या हेक्साकोनाज़ोल 50% 400 मिली/एकड़ दर पर या वैलिडैमाइसिन 3L 400 मिली/एकड़ दर पर या टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ़्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यूजी 80 ग्राम/एकड़ दर पर छिड़काव करें। छिड़काव को 7-10 दिनों के अंतराल पर दोहराएं। एक एकड़ क्षेत्र के लिए 200 लीटर घोल का प्रयोग करें।

- **जीवाणुज अंगमारी/जीवाणुज पत्ता अंगमारी होने की स्थिति में**, **स्ट्रेप्टोमाइसिन सल्फेट** (9%) + **टेट्रासाइक्लिन हाइड्रोक्लोराइड** (1%) 200 **ग्राम/एकड़ दर पर सहित कॉपर ऑक्सीक्लोराइड** 200 **ग्राम/एकड़ दर पर डालें। एक एकड़ क्षेत्र के लिए** 200 **लीटर घोल का प्रयोग करें।**
- यदि पत्ता प्रध्वंस देखा जाता है, बीमारी को नियंत्रित करने के लिए टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% (नैटिवो 75 डब्ल्यूजी) 80 ग्राम प्रति एकड़ दर पर या कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 400 ग्राम प्रति एकड़ दर पर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। वैकल्पिक रूप से, बेल के पत्तों (25 ग्राम ताजी पत्तियां) का निचोड़ का छिड़काव या तुलसी (25 ग्राम ताजी पत्तियां) या नीम (200 ग्राम ताजी पत्तियां) प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने पर रोग कम करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, ट्राइकोडर्मा विरिडे जैसे जैवनियंत्रक एजेंट (न्यूनतम 106) सीएफयू) 2 किलो प्रति एकड़ दर पर प्रयोग किया जा सकता है। एक एकड़ क्षेत्र के लिए 200 लीटर घोल का प्रयोग करें।
- **सीधी बुआई वाले चावल में भूरा धब्बा होने की स्थिति में**, **प्रोपिकोनाज़ोल** 25**ईसी** 200 **मिली/एकड़ दर पर या मैनकोज़ेब** 75 **डब्लयूपी** 400 **ग्राम/एकड़ दर पर या कार्बेन्डाजिम** 50 **डब्लयूपी** 400 **ग्राम/एकड़ दर पर या कार्बेंडाजिम** 64% + **मांकोजेब** 8% 75 **डब्लयूपी** 300 **ग्राम/एकड़ दर पर का छिड़काव करें। एक एकड़ क्षेत्र के लिए** 200 **लीटर घोल का प्रयोग करें।**
- उपरीभूमि चावल में जब गंधीबग कीटों की संख्या लागत.लाभ की सीमा अर्थात 2 वयस्क कीट प्रति पूंजा या 5 वयस्क कीट प्रति वर्गमीटर से अधिक हो जाएं तो मालाथियन 5% 10 किग्रा/एकड़ का एक झाड़ दें या इथोफेनप्राक्स 10 ईसी 200 मिली/एकड़ दर पर या क्लोरोपाइरिफास 20% ईसी 1000 मिली/एकड़ दर पर छिड़काव करें।
- किसानों को सलाह दी जाती है कि चावल की खेती के सभी पहलुओं के लिए एनआरआरआई द्वारा विकसित राइसएक्सपर्ट मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड करें और उसका उपयोग करें।
- जहां नमी की कमी के कारण चावल नहीं उगाए गए हैं, वहां किसानों को सलाह दी जाती है कि वे उपलब्ध खेत में मिट्टी नमी का उपयोग करते हुए कम अवधि वाली रबी पूर्व फसलें जैसे एमरनथस, रागी, कुल्थी, उड़द, चना, लोबिया, शकरकंद और तिल को उच्च भूमि में उगाएं।

कम दबाव के कारण भारी वर्षा वाले क्षेत्रों के लिए आकस्मिक कृषि परामर्श

यह देखा गया है कि पिछले कुछ दिनों से भारी और लगातार वर्षा के कारण अधिकांश चावल के खेत या तो पूरी तरह से या आंशिक रूप से जलमग्न हो गए हैं। इस स्थिति में, किसानों को निम्नलिखित प्रथाओं का पालन करने का सुझाव दिया जाता हैः

- जहाँ भी संभव हो चावल के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- देर से रोपे गए चावल के मामले में, झुंड वाली इल्लियों का संक्रमण हो सकता है। ऐसे में 2 लीटर/हेक्टेयर की दर से मिट्टी का तेल डालें और धान के पौधों को रस्सियों

से पार करके जोर से हिलाएं। अगर संक्रमण जारी रहता है तो कोई भी कीटनाशक जैसे क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी 500 मिली/एकड़ या लैम्ब्डा-साइहलोथ्रिन 50% ईसी 200 मिली/एकड़ या क्विनलफॉस 25% ईसी/800 मिली/एकड़ की दर से उपयोग करें।

- वर्तमान स्थिति (मेघाच्छिदत आसमान, उच्च आर्द्रता, दिन के उच्च तापमान के साथ रुक-रुक कर वर्षा लेकिन रात का तापमान कम) जीवाणुज अंगमारी, जीवाणुज पत्ता अंगमारी, पत्ता प्रध्वंस आदि कई बीमारियों के लिए अत्यधिक अनुकूल है। इसलिए अपने खेत में सतर्क रहें। जीवाणु रोगों के लिए 200 ग्राम प्लांटोमाइसिन+200 ग्राम कॉपर ऑक्सीक्लोराइड को 200 लीटर पानी में प्रति एकड़ में मिलाकर उपयोग करें। प्रध्वंस होने की स्थिति में रोग को नियंत्रित करने के लिए टेबुकोनाजोल 50%+ ट्राइफ्लॉक्सीस्टोबिन 25% (नैटिवो 75 डब्लूजी) 80 ग्राम प्रति एकड़ की दर से या कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 400 ग्राम प्रति एकड़ की दर से छिड़काव किया जा सकता है।